Title : Declining tiger population in the Country.

श्री रेवती रमन सिंह (इलाहाबाद) : उपाध्यक्ष महोदय, मैंने जो आज ज़ीरो-ऑवर में बोलने के लिए अपना नोटिस दिया है, यह अत्यन्त महत्वपूर्ण वि्ाय से संबंधित है। मैं आपसे कहना चाहता हूं कि निरन्तर वाघों की संख्या घटती जा रही है। माननीय प्रधान मंत्री जी ने भी यह चिंता दिखाई थी जब वह सिरस्का में गये थे और उन्होंने सिरस्का में कहा था कि इसके लिए अलग से कानून बनना चाहिए और इसके लिए अलग से देखरेख होनी चाहिए। मैं आपके माध्यम से पूरे सदन को तथा देश को यह बताना चाहता हूं कि अगर इसी तरह से वाघों की पोचिंग होती रही तो आने वाले दिनों में इस धरती से और खासकर भारत से वाघ मिट जाएंगे और केवल किताबों में ही रह जाएंगे।â€¦ (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : अब आप समाप्त कीजिए। अभी मेरे पास ज़ीरो-ऑवर के 39 नोटिस और हैं। आपका प्वाइंट आ गया है।

श्री रेवती रमन सिंह : सर, यह इतना महत्वपूर्ण वि्ाय है। मैं आपके माध्यम से सदन को अवगत कराना चाहता हूं कि जो हमारे 23 रिज़र्व फॉरेस्ट पूरे देश में हैं और इनमें वाघों को रखा गया है। मैं यह कहना चाहता हूं कि इन्हें बचाकर रखा जाए जिससे आने वाली पीढ़ी को हम कम से कम यह कह सकें कि ये वाघ भी नेचर की देन हैं। मैं कुछ तथ्य आपके सामने रखना चाहूंगा कि वाइल्ड लाईफ ट्रस्ट के अनुसार जो रिज़र्व पूर्वांचल में हैं, आसाम में डमफा में पूरी तरह से वाघ समाप्त हो गये हैं। इसी तरह से इन्द्रावती, छत्तीसगढ़, बालमिकी, बिहार में मानस एवं नमेरी, आसाम में तथा नागार्जुन सागर, आन्ध्र प्रदेश एवं पलामू, झारखण्ड में भी यही स्थिति है।

मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि वाइल्ड लाईफ ट्रस्ट ऑफ इंडिया ने सुझाव दिया है और मेरा भी सुझाव है कि कम से कम आईसीपी और सीआरपीसी में संशोधन किया जाए तथा प्रावधान किया जाए कि अगर कोई पोचिंग करते हुए पकड़ा जाएगा या शेरों को मारते हुए पकड़ा जाएगा तो उसके विरुद्ध एफआईआर रजिस्टर की जाएगी। उनको 10 साल का कठिन कारावास या आजीवन कारावास देने का प्रावधान होना चाहिए। यह मैं आपके माध्यम से मांग करना चाहता हूँ।

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri M.M. Pallam Raju − not present.

Shri A. V. Bellarmin.